भारतीय टीम ने साफ कर दिया था कि वे पीसीबी चीफ और एसीसी प्रमुख मोहसिन नकवी के हाथों से एशिया कप की ट्रॉफी नहीं लेंगे। लेकिन मोहसिन नकवी भी अपनी बात पर अड़े रहे।

- सूर्यकुमार यादव

भारतीय बल्लेबाज, एशिया कप की ट्रॉफी न लेने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ तिलक वर्मा

पाकिस्तान के खिलाड़ी तिलक वर्मा को आउट करने के लिए उन्हें उकसा रहे थे। लेकिन तिलक ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों को अपने बल्ले से जवाब दिया। जब तिलक बैटिंग के लिए क्रीज पर आए तो पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ 'काफी टीका-टिप्पणी' की। जिसने इस भारतीय बल्लेबाज को उनके अब तक के करियर की सबसे शानदार पारियों में से एक खेलने के लिए प्रेरित किया। शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने के कारण भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। दोनों टीमों के बीच तनाव वाले माहौल के बीच तिलक को बहुत कुछ कहा भी गया।

क्या आप जानते हैं ?... भारत एशिया कप की सबसे सफल टीम है। टीम इंडिया ने अब तक खेले गए 16 सीजन में 8 बार खिताब पर कब्जा जमाया है। अब भारत की नजर 9वें खिताब पर है।

भारतीय टीम ने नहीं ली मोहसिन नकवी से एशिया कप की ट्रॉफी

दुबई, 29 सितंबर। भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार को दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में जीत के बाद, एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। इस घटनाक्रम के कारण रिंकू सिंह द्वारा विजयी चौका जड़े जाने के डेढ़ घंटे से भी अधिक समय बाद पुरस्कार वितरण समारोह शुरू हुआ। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, जबकि नकवी विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपने के लिए अपनी जगह से हटने को तैयार नहीं हुए। नकवी, जो कि पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं, इस बात पर अड़े रहे कि वे अकेले ही ट्रॉफी देंगे। पुरस्कार वितरण का प्रसारण शुरू होने से पहले ही ट्रॉफी को मैदान से हटा लिया गया था। तिलक वर्मा, कुलदीप यादव और अभिषेक शर्मा ने प्रायोजकों से अपने-अपने पुरस्कार प्राप्त किए लेकिन भारतीय टीम को अपने विजेता पदक और ट्रॉफी नहीं मिल पायी। भारत को बिना ट्रॉफी के अपने ड्रेसिंग रूम में लौटना पड़ा। पाकिस्तान ने बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम से अपने उपविजेता पदक प्राप्त किए और उसके बाद सीधे अपने ड्रेसिंग रूम में चले गए, उनके साथ उनके मुख्य कोच माइक हेसन भी थे। मैच समाप्त होने के बाद पाकिस्तान की टीम और उसके सदस्य ड्रेसिंग रूम चले गये इसे बाद प्रेस कॉफ्रेंस को लेकर अनश्चिता का माहौल बन गया। पाकिस्तानी टीम आखिरकार एक घंटा अंदर बिताने के बाद, संभवतः तनावपूर्ण गतिरोध के खत्म होने का इंतजार करते हुए, ड्रेसिंग रूम से बाहर निकली और अपनी टीम को ट्रॉफी उठाते देखने के लिए उत्सुक अधिकतर भारतीय दर्शकों ने जोरदार हूटिंग की। फिर भी पुरस्कार वितरण समारोह में और देरी हुई और दोनों टीमों के खिलाड़ी मैदान पर ही बैठे रहे। ऐसा माना जा रहा है कि अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल ज़रूनी और बीसीबी के अमीनुल इस्लाम ने भारत को ट्रॉफी प्रदान करने की पेशकश की थी। यह एक ऐसी व्यवस्था थी जिसे भारत स्वीकार करने को तैयार था। हालांकि, नकवी इसके लिए तैयार नहीं थे और खुद ट्रॉफी देने पर अड़े रहे। अंततः, भारत को कोई ट्रॉफी नहीं दी गयी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पुरस्कार वितरण समारोह में कुछ नहीं कहा, तिलक वर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच, सलमान अली आगा (पाकिस्तानी कप्तान) और अभिषेक शर्मा (प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट) का साक्षात्कार लेने के बाद होस्ट साइमन डूल ने घोषणा की, ''मुझे एशियाई क्रिकेट परिषद ने सूचित किया है कि भारतीय क्रिकेट टीम आज रात अपने पुरस्कार नहीं ले पाएगी। इसलिए मैच के बाद का पुरस्कार वितरण समारोह यहीं समाप्त होता है।'' समारोह समाप्त होने और नकवी के जाने के बाद भारतीय टीम के खिलाड़ी फोटो खिंचवाने के लिए चैंपियंस का साइनबोर्ड थोड़ी देर के लिए बाहर लाया गया लेकिन उसे फिर से हटा दिया गया। खिलाड़ियों ने तुरंत तैयारी की: वे मंच पर बैठे, कैमरों के लिए पोज दिए और फिर उस पर चढ़ गए। सूर्यकुमार ने मुस्कुराते हुए एक काल्पनिक ट्रॉफी उठाने का अभिनय किया, जबकि उनके साथी खिलाड़ी उनके चारों ओर तालियां बजा रहे थे। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा कि शानदार प्रदर्शन के बाद भारत ट्रॉफी जीतने का हकदार था। सूर्यकुमार ने कहा, ''जब से मैंने क्रिकेट खेलना और क्रिकेट देखना शुरू किया है, तब से मैंने कभी ऐसा नहीं देखा कि एक चैंपियन टीम को ट्रॉफी से वंचित कर दिया जाए। हमें ट्रॉफी हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। हम चार सितंबर से यहां है, लगातार दो अच्छे मैच खेले। मुझे लगता है कि हम इसके हकदार थे। मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कह सकता, मुझे लगता है कि मैंने इसे बहुत अच्छी तरह से व्यक्त कर दिया है, मैं इसके बारे में और कुछ नहीं कह सकता।'' भारत की पांच विकेट की जीत के तुरंत बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए 21 करोड़ रुपये के इनाम की भी घोषणा की।

भरोसे का प्रतीक बन गए हैं तिलक वर्मा

नई दिल्ली, 29 सितंबर। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में रविवार को खेले गए एशिया कप फाइनल में भारत के माथे पर जीत का तिलक लगाने वाले तिलक वर्मा आज न केवल हर भारतीय की जुबान पर हैं, बल्कि भरोसे का प्रतीक भी बन गए हैं। आठ नवंबर 2002 को आंध्रप्रदेश के हैदराबाद में तेलगु परिवार में जन्में तिलक वर्मा ने 21 की उम्र पार करने से पहले ही अगस्त 2023 में भारत के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेला था। अपने इस पहले मैच में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी और तीसरी ही गेंद पर दो शानदार छक्के लगाकर साबित कर दिया कि वह क्रिकेट जगत में अपनी धाक जमाने के लिए आए हैं। एक वक्त था जब इस प्रतिभावान खिलाड़ी के पिता श्री नम्बूरी नागराजू के पास इतने पैसे नहीं थे कि वह निजी कोचिंग की व्यवस्था कर पाते, लेकिन तब तिलक के पहले कोच श्री सलाम बयाश ने न केवल उनके लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था की, बल्कि आवश्यक सामान भी जुटाए। तिलक ने उनके भरोसे पर खरे उतरते हुए 2018-19 में हैदराबाद की ओर से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्हें जल्द ही, 2020 में दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले अंडर-19 विश्वकप के लिए चुन लिया गया, जहां उन्होंने तीन पारियों में महत्वपूर्ण 86 रन बनाए। तिलक घरेलू क्रिकेट में 2021 में हैदराबाद की ओर से खेलते हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और सात पारियों में 147.26 के स्ट्राइक रेट से 215 रन बनाए। इस प्रदर्शन पर आईपीएल टीमों की नजर गई और 2022 के मेगा ऑक्शन में मुंबई इंडियन्स ने उन्हें 1.70 करोड़ में खरीद लिया। तिलक ने अपने पहले आईपीएल सीजन में सभी 14 मैच खेले और 36.09 की औसत एवं 131.02 की स्ट्राइक रेट से 397 रन बनाए। आईपीएल के इस शानदार प्रदर्शन ने भारतीय टीम में उनके चयन का मार्ग प्रशस्त कर दिया और उन्होंने 2023 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना पदार्पण किया। तिलक वर्मा ने अब तक के अपने क्रिकेट कैरियर में 32 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में 30 पारियों में 149 की स्ट्राइक रेट से 962 रन बनाए हैं। अपने टी-20 करियर में उन्होंने दो शतक लगाए हैं और वह भी लगातार दो पारियों में, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। उनका एक पारी में सबसे अधिक स्कोर 120 नाबाद रन है। तिलक को हालांकि एक दिवसीय मैचों में बहुत मौका नहीं मिला है, लेकिन उन्होंने चार मैचों में एक अर्धशतक जड़ दिया है। उन्होंने प्रथम श्रेणी में 22 मैचों में 34 पारियां खेलते हुए अब तक 1562 रन बनाए है। उल्लेखनीय है कि बाएं हाथ का यह बल्लेबाज, बॉलिंग ऑल राउंडर है, जिसने अंतरराष्ट्रीय टी-20 में छह पारियों में गेंदबाजी करके तीन विकेट भी हासिल किये है। तिलक के पिता श्री नागराजू पेशे से एक इलेक्ट्रीशियन हैं और वह भी हर पिता की तरह चाहते थे कि उनका बेटा एक स्थायी आय वाले पेशे में जाए। वह चाहते थे कि उनका बेटा डॉक्टर बने, लेकिन फिर भी उन्होंने अपने आप को अपने बेटे पर नहीं थोपा। तिलक की मां एक गृहणी हैं और उनके छोटे भाई तरुण वर्मा भी एक खिलाड़ी हैं, वह राष्ट्रीय स्तर पर बैडमिंटन खेल चुके हैं।

स्ट्रोक से वर्ल्ड चैम्पियन तक, रोचक और प्रेरक है पोलैंड की मैग्दलेना की खेल यात्रा

नई दिल्ली, 29 सितंबर। जब मैग्दलेना एंड्रुस्जकिविच ने इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की टी72 400 मीटर फाइनल रेस का फिनिशलाइन छुआ तो, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। दर्शकों के लिए यह एक दिव्यांग एथलीट की शानदार जीत थी, लेकिन मैग्दलेना के लिए यह सात वर्षों की संघर्षमय यात्रा, धैर्य और अडिग उम्मीद का प्रतीक था। इस 37 वर्षीय पोलिश एथलीट की कहानी असामान्य है। सात साल पहले, अचानक हुए मस्तिष्क स्ट्रोक ने उनके शरीर के एक हिस्से को निष्क्रिय कर दिया था। मैग्दलेना याद करती हैं, ''एक पल में मेरी दुनिया बदल गई। जिंदगी जैसी मैं जानती थी, अचानक खत्म हो गई लग रही थी।'' लेकिन यही क्षण उनके जीवन जीवन की एक नई और प्रेरणादायी यात्रा की शुरुआत बन गया। फिजिकल थेरेपी के दौरान फ्रेम साइकिल चलाते हुए उन्होंने धीरे-धीरे खेलों के प्रति लगाव महसूस किया। वह कहती हैं, ''शुरुआत में यह केवल अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश थी। फिर यह मेरा जुनून बन गया, और अब यह मेरी ज़िंदगी है।'' पांच साल पहले मैग्दलेना ने पैरा एथलेटिक्स को पूरी तरह अपनाया। जापान के कोबे में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में उन्होंने टी72 कटेगरी में विश्व रिकार्ड के साथ पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीता। इससे पहले उन्होंने पेरिस में 2023 में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में टी72 400 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता था। रविवार को नई दिल्ली में उन्होंने कोबे में जीते गए अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। उन्होंने एक मिनट 13 सेकंड में दौड़ पूरी की-जो उनके अपने विश्व रिकॉर्ड आधा सेकेंड अधिक था। मैग्दलेना के सपने केवल पदक तक सीमित नहीं हैं। 2028 में लॉस एंजेलेस पैरालिंपिक्स में 72 कटेगरी का डेब्यू होना है। इसे लेकर मैग्दलेना का लक्ष्य साफ है। आंखों में दृढ़ संकल्प के साथ वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, ''मेरा सपना सोना जीतना है।'' भारत ने भी उन्हें खास अनुभव दिया। पहली बार यहां दौड़ते हुए वह दर्शकों की गर्मजोशी और ऊर्जा से प्रभावित हुईं। वह कहती हैं, ''मुझे यहां बहुत अच्छा लग रहा है। लोग और माहौल सब कुछ अद्भुत है। भारत शानदार है। अद्भुत है।'' स्ट्रोक से पहले मैग्दलेना नर्तकी थीं। यही अनुशासन बाद में उनके खेल जीवन का सहारा बना। उन्होंने कहा, ''नृत्य ने मुझे संतुलन, लय और धैर्य सिखाया। इन सबका फायदा मेरी वापसी में हुआ।'' मैग्दलेना नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में केवल जीत का जश्न नहीं मना रही थीं। वह साबित कर रही थीं कि चाहें कुछ भी हो जाए, नई शुरुआत की जा सकती है, जीवन फिर से जीया जा सकता है।

एशेज सीरीज से बाहर होने के बाद क्रिस वोक्स ने लिया संन्यास

लंदन, 29 सितंबर। इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने एशेज सीरीज से बाहर होने के बाद सोमवार को सोशल मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। वोक्स ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपने संन्यास लेने की घोषणा करते हुए कहा, वह क्षण आ गया है, और मैंने तय कर लिया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का यही सही समय है उन्होंने लिखा, इंग्लैंड के लिए खेलना एक ऐसी चीज थी जिसका मैं बचपन से ही सपना देखता था और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने उन सपनों को जीया।

पिछले 14 सालों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करना, थ्री लायंस जर्सी पहनना और टीम के साथियों के साथ मैदान साझा करना, जिनमें से कई मेरे आजीवन दोस्त बन गए हैं, ऐसी चीजें हैं जिन्हें मैं बहुत गर्व के साथ याद करूंगा। उन्होंने कहा, मैं काउंटी क्रिकेट खेलना जारी रखने और निकट भविष्य में और भी फ्रैंचाइजी अवसरों की तलाश करने के लिए उत्सुक हूं। इस वर्ष जुलाई के आखिर में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में कंधे की हड्डी में चोट लगने के बाद फिटनेस हासिल करने की जद्दोजहद के बाद 36 वर्षीय वोक्स को पिछले हफ्ते इंग्लैंड की एशेज टीम से बाहर कर दिया गया था।

इंग्लैंड पुरुष टीम के प्रबंध निदेशक रॉब की ने बाद में कहा कि वोक्स हमारी योजनाओं में बिल्कुल भी नहीं हैं। वोक्स ने 62 टेस्ट, 122 एकदिवसीय और 33 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के बाद इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया। उनका आखिरी प्रदर्शन भारत के खिलाफ ओवल टेस्ट में 11वें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। उन्होंने पांचवें दिन सीरीज जीतने में मदद करने की नाकाम कोशिश की थी।

खेल व खिलाड़ियों का करियर संवारने को सरकार प्रतिबद्ध : आर्या

अल्मोड़ा, 29 सितंबर। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर में सोमवार को दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उनकी सरकार खेल और खिलाड़ियों के उत्थान के लिए पूरी ताकत से काम कर रही है। आर्य ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं हैं बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना और खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना शुरू की है। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान भी हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि खेल का मैदान जीवन की असली पाठशाला है। जो युवा अनुशासन और परिश्रम के साथ मैदान में उतरते हैं, वे केवल पदक ही नहीं जीतते बल्कि हजारों-लाखों लोगों के लिए आदर्श भी बनते हैं। आने वाले समय में यही खिलाड़ी उत्तराखंड का गौरव बढ़ाएंगे। खेल मंत्री ने कहा कि सरकार उनकी हरसंभव मदद के लिए तैयार है। अगर खिलाड़ी मेहनत करेंगे तो खेल ही आपके लिए करियर का रास्ता खोलेगा। प्रदेश सरकार आपके सपनों को पूरा करने के लिए आपके साथ खड़ी है। इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फ्रिट्ज ने ब्रूक्सबी को हराकर टोक्यो फाइनल में प्रवेश किया

टोक्यो, 29 सितंबर। अमेरिका के स्टार टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज सोमवार को जापान ओपन में अपने हमवतन जेनसन ब्रूक्सबी पर सीधे सेटों में जीत के साथ सीजन के अपने तीसरे एटीपी टूर फाइनल में पहुंच गए।

आरसीए अंडर-23 चैलेंजर ट्रॉफी आगामी एक अक्टूबर से जयपुर में खेली जाएगी

जयपुर, 29 सितंबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में आगामी 1 अक्टूबर 2025 से अंडर 23 चैलेंजर ट्रॉफी खेली जाएगी। चैलेंजर ट्रॉफी हेतु 4 टीमों का चयन राजस्थान सीनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 23 प्रतियोगिता में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया।

टीम अ : राहुल गर्गोशनिक ग्रोवर, सोहन जयफयाश, शोभित मिश्रा, आयुष अमेरिका, पार्थ यादव, सलाउद्दीन, पुष्पेंद्र सिंह, चेतन शर्मा, शुभम खंडेलवाल, समरजीत सिंह, आर्यन जैनचंद्र पाल सिंह।

टीम बी : सौरभ कुमार गोदारा, मोल चेलानिम्, अरमान, प्रवीण चौधरी, महेंद्र चौधरी, गणेश हिंगरा, अनुभव गहलोत, तनकुश कुमार सर्वज्ञ, पनेरिया व्यांश सिंह, भगवान सिंह, शुभम सिंह, मेहुल पारीक।

टीम सी : सौरभ सिंह राजपूत, धर्मवीर सैनी, दर्शन जैन, मिनफ शेख, राहुल चौधरी, रामेश्वर, गैरी मोहम्मद हैं। सदगणेश सुथार वंश प्रताप, नकित कुमार रोहिल, संग्राम सिंह, देव यादव, सम्राट सिंह.

टीम डी : एनएमेजय सिंह भाटी, दिग्विजय सहारन, निलेष टंकादित्य, लूना पुखराज, कुमार जयंत गठर, विश्वजीत सिंह, मनीष आचार्य, पुलकित गुप्ता, भवानी सुथारन, साचिन लखेसर, सिद्धार्थ गौतम.

राजस्थान के बॉडी बिल्डर विशाल सिंह ने दक्षिण एशिया में जीता कांस्य पदक

जयपुर, 29 सितंबर। भूटान में आयोजित हुई साउथ एशिया में बॉडीबिल्डिंग एंड मैन फिजिक्स चैंपियनशिप में राजस्थान के विशाल सिंह रावत ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रोंज मेडल जीता राजस्थान बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि अजमेर के विशाल सिंह पूर्व में भी राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत चुके हैं। राज्य संघ के अध्यक्ष नवीन यादव सचिव अशोक औदिचय कोषाध्यक्ष राजेश यादव सहित संपूर्ण राजस्थान राज्य संघ के सभी पदाधिकारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने पर विशाल सिंह रावत को बधाई दी।

अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 29 सितम्बर। अंडर 13 पिंकसिटी कप में वर्धमान क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 22 ओवर में 49 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से लखन ने 5 और रामनिवास ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरावली क्रिकेट अकादमी ने 6 ओवर में 50 रन 2 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। वर्धमान क्रिकेट अकादमी की ओर से सिद्धार्थ ने दो विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच लखन को चुना गया!

पीकेएल-12 : अपने डेब्यू मैच में जमकर दहाडे अंकित दहिया, यूपी योद्धाज को हराकर गुजरात जांयट्स ने लगातार पांच हार के बाद चखा पहली जीत का स्वाद

चेन्नई, 29 सितंबर। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में अपना डेब्यू मैच खेलने उतरे रेडर अंकित दहिया ने डिफेंस में हाई फाइव लगाते हुए सोमवार को यहां एसडीएटी मल्टी परपज इनडोर स्टेडियम में खेले गए 12वें सीजन के 53वें मैच में गुजरात जायंट्स को यूपी योद्धाज के खिलाफ 33-27 से जीत दिला दी। गुजरात जायंट्स की इस सीजन में नौ मैचों में लगातार पांच हार के बाद यह पहली और इस सीजन की दूसरी जीत है। टीम के अब चार अंक हो गए हैं। वहीं, यूपी योद्धाज को नौ मैचों में पांचवीं हार झेलनी पड़ी है। विजेता गुजरात के लिए अंकित दहिया के आठ प्वाइंट के अलावा राकेश ने छह और शादलू ने आठ प्वाइंट लिए। यूपी के लिए भवानी राजपूत ने आठ और गगन गौड़ा ने छह अंक जुटाए। पीकेएल में अपना डेब्यू मैच खेलने उतरे अंकित दहिया ने शानदार शुरुआत की। लेकिन शुरुआत पांच मिनटों में दोनों टीमें 5-5 की बराबरी पर थी। गुजरात जायंट्स के लिए एचएस राकेश ने आठवें मिनट में डू ऑर डाई में सुपर रेड लगाकर अपनी टीम को तीन अंक और दिला दिए और इससे गुजरात 8-5 से आगे हो गई। इसी बीच, शादलू ने भी सुपर रेड लगाकर यूपी को ऑलआउट कर दिया। जायंट्स की टीम ने इसके साथ ही पहले 10 मिनट के खेल में 12-7 की लीड बना ली। मैच में गगन गौड़ा के पांच प्वाइंट के बावजूद 15वें मिनट तक यूपी योद्धाज की टीम चार अंक से पीछे चल रही थी। यूपी ने हालांकि फिर डू ऑर डाई में राकेश को टैकल करके डिफेंस में अपना अंक हासिल किया। इसके बाद भवानी राजपूत ने डू ऑर डाई में सुपर रेड लगाकर अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। उधर आज शादलू फॉर्म में लौट चुके थे और पहले हाफ में पांच प्वाइंट लेकर उन्होंने शुरुआती 20 मिनटों में गुजरात जायंट्स को 21-16 से आगे रखा। यूपी योद्धाज ने दूसरे हाफ में गुमान सिंह को मैट पर उतारा। लेकिन वो भी अपने लय में नहीं दिखे। जायंट्स के पास 25वें मिनट तक 23-19 की बढ़त बरकरार थी। इसी बीच, शादलू आउट होकर मैट से बाहर चले गए और इसके बाद भी 30वें मिनट तक टीम की चार अंकों की लीड कायम थी। पीकेएल में अपना डेब्यू मैच खेल रहे रेडर अंकित दहिया ने गुजरात के लिए डिफेंस में अपना हाई फाइव पूरा कर लिया। मैच के 35वें मिनट तक गुजरात जायंट्स 29-24 से आगे थी। जायंट्स की टीम ने अंतिम मिनटों में भी अपनी लीड को बरकरार रखते हुए 33-27 से मैच को अपने नाम कर लिया।

स्विस सुपरस्टार कैथरीन डेब्रुनर ने पदकों के अपने संग्रह में जोड़ा एक और स्वर्ण

नई दिल्ली, 29 सितंबर। स्विट्जरलैंड की दिग्गज पैरा एथलीट कैथरीन डेब्रुनर ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस पीढ़ी की सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ ली। पिछले साल पेरिस पैरालंपिक खेलों में पांच स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाली डेब्रुनर को स्वयं को पोडियम पर देखने की आदत हो चुकी है। नई दिल्ली में मिली जीत से पहले ही 30 वर्षीय यह खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण और तीन रजत पदक अपने नाम कर चुकी थीं। रविवार को उन्होंने 12:18.29 मिनट समय के साथ फिनिश लाइन पार की और चीन की तियान याजुआन तथा अपनी हमवतन पेट्रीसिया ईचस को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। भारत में अपने पहले अनुभव पर डेब्रुनर ने कहा, ''यह मेरा भारत में पहला मौका है और मुझे कहना होगा कि यह बिल्कुल अलग संस्कृति और देश है, जिसकी मुझे आदत नहीं है। यह वाकई बहुत अलग अनुभव रहा।''

उन्होंने नए मोंडो ट्रैक और प्रतिष्ठित स्टेडियम पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, ''नया बिछाया गया मोंडो ट्रैक तेज होने में थोड़ा समय लेता है। फिर भी यह अच्छा ट्रैक है। यह एक शानदार स्टेडियम है। हमें यहां स्वागत करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।'' डेब्रुनर ने महज आठ साल की उम्र में खेलों की दुनिया में कदम रखा था और आज वह पैरा स्पोर्ट्स की वैश्विक प्रतीक बन चुकी हैं। साल 2023 में उन्हें लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर विद ए डिसएबिलिटी अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था।

अपने लंबे सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा, ''यह एक बहुत लंबी यात्रा रही है। मैं उन सभी अनुभवों के लिए आभारी हूं जो मुझे मिले। मैंने बहुत सारे अद्भुत लोगों और खिलाड़ियों से मुलाकात की है, जिनमें से कुछ को मैं बीस साल से जानती हूं। हम सबको सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं बल्कि इंसान के तौर पर बढ़ते देखना अद्भुत रहा है। इस कम्युनिटी का हिस्सा बनकर मुझे खुशी है। यह मेरा जुनून है और हर दिन उसे जी पाना मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी है।'' एक और स्वर्ण पदक के साथ, डेब्रुनर ने फिर से साबित किया कि वह धैर्य, उत्कृष्टता और खेल के प्रति गहरी लगन की मिसाल हैं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 पर 1-0 से जीत दर्ज की

कैनबरा, 29 सितंबर। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने सोमवार को कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में अपने तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम पर 1-0 से जीत दर्ज की। कनिका सिवाच (32वें मिनट) ने भारत के लिए विजयी गोल दागा। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय महिला जूनियर टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर के बाद, भारत ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के शुरुआती मिनटों में कनिका सिवाच के महत्वपूर्ण मैदानी गोल की बदौलत गतिरोध तोड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। भारत इससे पहले ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम के खिलाफ लगातार दो मैच हार चुका था, लेकिन इस जीत के साथ, मेहमान टीम इस नई लय को बरकरार रखते हुए इस दौरे के बाकी मैचों में वापसी करने की उम्मीद करेगी। भारत अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के समापन के लिए 30 सितम्बर और दो अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख हॉकी वन लीग में खेलने वाले क्लब कैनबरा चिल के खिलाफ दो मैच खेलेगा।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय कोर ग्रुप की घोषणा की

बेंगलुरु, 29 सितंबर। हॉकी इंडिया ने मंगलवार से 18 अक्टूबर तक बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में चलने वाले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की। यह शिविर भारतीय टीम के लिए आगामी दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं 31वें सुल्तान अजलान शाह कप 2025, जो 22 से 29 नवंबर तक मलेशिया के इपोह में खेला जाएगा, आज यहां शिविर को लेकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''एशिया कप जीतना और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी, लेकिन यह केवल शुरुआत है। खिलाड़ी नए जोश के साथ शिविर में वापस आए हैं, और अब हमारा ध्यान पूरी तरह से सुल्तान अजलान शाह टूर्नामेंट के लिए रणनीतिक तैयारी पर केंद्रित है। विश्व कप की तैयारी शुरू करने और अपने बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए सीधे दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले यह एक और महत्वपूर्ण परीक्षा होगी। सफलता केवल परिणामों के बारे में नहीं है - यह इस बारे में है कि हम एक टीम के रूप में कैसे सीखते हैं, अनुकूलन करते हैं और एक साथ बढ़ते हैं।''

सीनियर पुरुष शिविर के लिए 33 सदस्यीय सूची इस प्रकार है:-

गोलकीपर:- कृष्ण बी पाठक, सूरज करकेरा, पवन और मोहित होन्नेनाहल्ली शशिकुमार

डिफेंडर:- संजय, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित, नीलम संजीप , जरमनप्रीत सिंह, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, अमनदीप लाकड़ा और वरुण कुमार

मिडफील्डर:- राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, नीलकंठ शर्मा, मोहम्मद राहील मौसीन और मनिंदर सिंह।

फारवर्ड: - अभिषेक, सुखजीत सिंह, सेल्वम कार्थी, शिलानंद लकड़ा, मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अंगद बीर सिंह और आदित्य अर्जुन लालगे।

श्रीलंका के खिलाफ भारतीय महिला टीम विश्वकप में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी

गुवाहाटी, 29 सितंबर। मजबूत रिकार्ड के साथ प्रबल दावेदार के रूप में भारतीय महिला क्रिकेटर मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के पहले मैच में जीत हासिल करने उतरेगी।

एकदिवसीय मुकाबलों की बात की जाये तो भारत ने श्रीलंका के खिलाफ खेले गए 35 मैचों में से 31 में जीत हासिल की है। मेहमान टीम को केवल तीन मैच जीते है और एक बेनतीजा रहा है। यह शानदार रिकॉर्ड भारत को गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में मनोवैज्ञानिक बढ़त दिलाता है। इस साल शानदार फॉर्म में चल रही कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना का बल्लेबाजी में दबदबा होगा। उन्होंने 14 मैचों में 66.28 की औसत से 928 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और तीन अद्धर्शतक शामिल हैं। जेमिमाह रोड्रिग्स, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा और प्रतीका रावल एक चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में सक्षम टीम बनाती है। भारतीय गेंदबाजी की बात की जाये तो स्नेह राणा 4.97 की इकॉनमी रेट से 21 विकेट लेकर शीर्ष पर हैं। रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा, सभी श्रीलंकाई बल्लेबाजों को रोकने और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट झटकने में सक्षम है। वहीं चामरी अटापट्टू की अगुवाई में श्रीलंका इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश करेगा। उनकी उम्मीदें भरोसेमंद हर्षिता समरविक्रमा पर टिकी हैं, जिन्होंने इस साल आठ मैचों में 48.00 की औसत से 336 रन बनाए हैं।

स्पिनर देवमी विहंगा उनकी बेहतरीन गेंदबाज रही हैं, उन्होंने चार मैचों में 11 विकेट लिए हैं। इन पर भारत के स्कोर को रोकने की जिम्मेदारी होगी। बरसापारा की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है, इस पिच पर एकदिवसीय मैचों में पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 300 रन होता है। बीच के ओवरों में स्पिनर को टर्न मिल सकता हैं। संभावित भारतीय महिला एकादश: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतीक रावल, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, ऋचा घोष (विकेट कीपर), अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और रेणुका सिंह ठाकुर। संभावित श्रीलंका महिला एकादश: चामरी अटापट्टू (कप्तान), हर्षिता समाराविक्रमा, हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), पिउमी बदलगे, देवमी विहंगा, सुगंडिका कुमारी, इनोका राणावीरा और मल्की मदारा।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.10.2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

चूरू, चूरू राजस्थान, 135110700011521, 135110730029559, 9885, 135110780000075, सुजानगढ, 135090700015074, हनुमानगढ, बाबा शाम सिंह कॉलोनी, 117270700061240, 117270730051674, पिलीबंगन, 135180700036297, सीकर, बजाज रोड सीकर, 111830730094765, फतेहपुर राजस्थान, 135330730038863,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 9911809139 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.